

संपादकीय

बदरूप होता टकराव

पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को टीएमसी और बीजेपी विधायकों के बीच तीव्र बहस हुई। विपक्षी विधायकों के हंगामे के बाद स्पीकर ने बीजेपी के चीफ व्हीप शंकर घोष को समझें कर दिया। पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को कुछ हुआ वह सदन की गरिमा और मर्यादा को तार-तार करने वाला है। टीएमसी और भाजपा के बीच की तस्वीर विशेष सत्र के अखिरी दिन सतह पर आ गई। दोनों दलों में ताड़ी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और मतभेद है। सदन का इस्तेमाल इस पर साक्षिक वाद-विवाद व चर्चा के लिए किया जा सकता था। सीएम ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी का आरोप है कि भाजपा शासित राज्यों में रहने वाले पश्चिम बंगाल के लोगों को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। सदन में इसी पर चर्चा होनी थी, लेकिन जब विपक्षी विधायकों ने बेल में पहुंच कर हंगामा किया तो स्पीकर ने भाजपा के चीफ व्हीप शंकर घोष को समझें कर दिया। उनको बाहर निकालने के लिए मार्शल बुलाने पड़े। इस दौरान वह बेहेश हो गए। प्रवासी बांग्ला भाषियों का मुद्दा ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी के लिए बेहद संवेदनशील है। वह इसे बांग्ला अहिंसा व पहचान से जोड़कर आगे बढ़ रही है। कुछ अरसा पहले उन्होंने लोग तक दिया था कि दूसरे राज्यों के एक बंगाल के लोग लौट आएं, सरकार उनका ख्याल रखेगी। तीन दिन पहले जब कोलकाता में लगे वृणुणल कोरस के अस्थायी मंच को सेना ने हटा दिया था, तब भी काफी बखेला मचा था। तब सेना की तरफ से बताया गया था कि पार्टी ने परमिशन खत्म होने के बाद भी मंच नहीं हटाया था, इसलिए उसे कार्रवाई करनी पड़ी। पश्चिम बंगाल एक लंबे अरसे से केंद्र और राज्य के बीच टकराव का मैदान बना हुआ है। राज्यपाल के अधिकृत दखल से लेकर एसआईआर तक - विवाद के कई बिंदु हैं। पूर्व राज्यपाल केसरीनाथ त्रिपाठी और जगदीप धनखड़ व मौजूदा गवर्नर सीवी आनंद बोस के साथ राज्य के रिस्ते कभी सामान्य नहीं रहे। केसरीनाथ ने जाते-जाते ममता पर तुष्टिकरण का आरोप लगा दिया था, तो धनखड़ ने कहा था कि बंगाल में लोकतांत्रिक हालात सही नहीं हैं। वहीं, ममता का आरोप है कि राधाकृष्ण के जरिये केंद्र उनके अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप कर रहा है। विपक्ष शासित किसी और राज्य को तुलना में केंद्र-राज्य संघर्ष ज्यादा आक्रामक है। इसकी वजह है वह की सियासत। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा पहली बार मुख्य विपक्षी पार्टी बनी थी। तब से वह अपना स्पेस लगातार बढ़ाने की कोशिश में है, जबकि टीएमसी के सामने चुनौती है अपनी जगह बचाए रखने की। राज्य में अगले साल मार्च-अप्रैल में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। चुनावी तारीख नजदीक आने के साथ टकराव और गहरा होगा। लेकिन, इसमें दोनों पक्षों को राजनीतिक मर्यादा और सीमाओं का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

संपादक, टीकम लालवानी

श्रद्धांजलि अर्पित करने की अनेक लोक प्रचलित पद्धतियां हो सकती हैं। दुनिया भर में अपने पूर्वजों की स्मृति को स्थायी बनाने के लिए कुछ करने का प्रचलन है। हमारे अपने देश के हर समाज में, हर वर्ग में पुरखों के नाम पर यज्ञ, तप, दान, स्वाध्याय आदि किया जाता है। यहां भूखों को भोजन करना, जरूरतमंदों की मदद करने की प्रथा रही है। वैश्वक कालान्तर में कर्मकांड इतने हावी हो गये कि वह अपने उद्देश्य से इतर सक्रिय हो गईं। सदृष्ट्या पर दबाव हावी हो गया। अनेक बार तो ऐसा न करने पर सामाजिक बहिष्कार तक की नौबत आने लगी जिससे श्राद्ध के प्रति धारणा बदलने लगी। अनेक मत, अंध विश्वास तो इसे कोरा कर्मकांड और पाखंड तक कहने लगे।

(डा. विनोद चब्र)

7 सितंबर से पितृपक्ष आरंभ हो रहे हैं। भारतीय संस्कृति अपने पूर्वजों को भी श्रद्धा से स्मरण करने की परंपरा है। भाद्रपद मास की समाप्ति और आश्विन मास के आरंभ अर्थात् श्रद्धा संधि के अवसर पर सर्वश्रद्धया दत्त श्राद्धम् (जो कुछ श्रद्धा से किया जाए वह सब श्राद्ध) कहलाता है। श्रद्धा नामक वृत्ति को धारण करने का नाम श्राद्ध कहलाता है। इसी श्राद्ध भाव से संबंध रखने के कारण आश्विन का कृष्णपक्ष श्राद्ध पक्ष कहलाता है। इसमें परिवार अपने पुरखों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। श्रद्धांजलि अर्पित करने की अनेक लोक प्रचलित पद्धतियां हो सकती हैं। दुनिया भर में अपने पूर्वजों की स्मृति को स्थायी बनाने के लिए कुछ करने का प्रचलन है। हमारे अपने देश के हर समाज में, हर वर्ग में पुरखों के नाम पर यज्ञ, तप, दान, स्वाध्याय आदि किया जाता है। यहां भूखों को भोजन करना, जरूरतमंदों की मदद करने की प्रथा रही है। वैश्वक कालान्तर में कर्मकांड इतने हावी हो गये कि वह अपने उद्देश्य से इतर सक्रिय हो गईं। सदृष्ट्या पर दबाव हावी हो गया। अनेक बार तो ऐसा न करने पर सामाजिक बहिष्कार तक की नौबत आने लगी जिससे श्राद्ध के प्रति धारणा बदलने लगी। अनेक मत, अंध विश्वास तो इसे कोरा कर्मकांड और पाखंड तक कहने लगे।

पितृपक्ष को यदि कर्मकांड अथवा धार्मिक अनुष्ठान न भी माने तो भी अपने अतीत अर्थात् अपने पूर्वजों को श्रद्धा से स्मरण करते हुए स्वयं परिवार सहित छोटी-पूरी खाना अग्राह्य नहीं हो सकता। अब यदि इसमें अपने मित्रों, के अतिरिक्त किसी जरूरतमंद को भी शामिल करते हैं तो उस पत्र का महत्व साकार होता है। किसी दुःखीय अथवा अनायास में जाकर वहाँ रहने वाले की जरूरतें पूरी करना अथवा अपने अज्ञेय पत्नी के किसी मेधावी छत्र की मदद करते हुए श्राद्ध अथवा को वित्तमान सहयोग में मददगार किया जा सकता है। केवल मुख्य को नहीं, अपने परिवेश के जीवों - जंतुओं के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने का संकल्प भी श्राद्ध और श्रद्धा को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। अब यदि हम परमार्थ की बात करें तो यह कहना है कि अपने पुरखों के निमित्त कुछ करने से वह उस दिव्यता आत्मा को प्राप्त होता है। इस बात से किस इंकार होगा कि बिना किसी दवाव, मजबूरी के सहर्ष अपने पुरखों के नाम पर कुछ कार्य करने वाले के मन को असौम्य शांति मिलती है। किन्हीं स्वर्ग की कृतकारण मानने लगता है।

दिवंगत पूर्वजों को श्रद्धा से स्मरण करने का नाम है श्राद्ध

देशों।

ब्रह्म पुराण के अनुसार श्रद्धा और विश्वासकृत् किन्नर श्राद्ध में पिंडों पर तिरि हूँ जल को नदी-नदी बूंदों से पूजा-पशियों की गीत में पढ़े हुए पितरों को पोषण होता है। जिस कूल में जो बाल्यकाल में हो ग्लुत्तु को प्राप्त हो एए, वे समर्पण के जल से ही तृप्त हो जाते हैं। भारतीय संस्कृति में जन-जन का यह अटूट विश्वास है कि मृत्यु के पश्चात जीवन समाप्त नहीं होता बल्कि जीवन को एक कड़ी के रूप में माना गया है जिसमें मृत्यु भी एक कड़ी है। प्रायः मृत व्यक्तिके संबंध में यह कामना की जाती है कि आगले जन्म में वह सुखसंस्कार तथा ज्ञानवान



बने। इस निमित्त जो कर्मकांड संग्रहित किए जाते हैं, उसका लाभ जीवितों को श्रद्धा से किए गए किन्याओं के माध्यम से मिलता है, अतः मरणोपर संस्कार, श्राद्ध कर्म से उन्हें पोषण किया जाता है ताकि वे आर्यावर्ष प्रसर रहे व उन्हें शांति मिले। श्राद्ध धारापद की पूर्णिया में शुरू होकर अधिनी के कृष्ण पक्ष में आभावस्था तक 15 दिन की अर्थात् 'पितृ पक्ष' कहलाती है। इसी अवधि में पितरों के प्रति श्रद्धा के प्रतीक श्राद्धों का आयोजन घर-घर में होता है। श्राद्धों को लेकर एक पौराणिक घटना महाभारत काल से भी जुड़ी गयी मानी है जिसमें कला गया है कि कर्ण प्रतिदिन स्वर्ण नूतन किया करते हैं। उन्हें मरणोपरान्त स्थित में रहने हेतु 'मृत्यु मण्डल' मिला जा रहा प्रत्येक वस्तु योने की थी। कर्ण इससे परेशान हो उठे। जब इन्द्रका कारण भावना से पृथु तो पत्नी कलि वह प्रतिदिन सनान सनानो दान करते थे, अन्य पत्तुओं की नहीं। यह जानकर कर्ण को बड़ा संताप हुआ व वे ईश्वर से विनती कर पंद्रह दिन के लिए पृथ्वीलोक में पुनः आए और सभी वस्तुओं का दान किया और मनुष्यों को भोजन

करवाया। नव जन्मा है कि इस कथा को स्मृति में ही पितरों के प्रति श्राद्ध माना जाने लगे। श्राद्ध के साथ मुख्य रूप से जुड़े व्यक्ति की श्रद्धा और भावना ही है। इसलिए आज के दिन परिवार के व्यक्तियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे कला, क्रीडा, योग, गीत व अहंकार से दूर रहकर पुरातन कार्य करेंगे। श्राद्ध कर्म में खर्च किया जाने वाला धन भी ईमानदारी से कमाई किया हुआ ही जाना चाहिए। अपने पितरों को पवित्र मन से तर्पण करते हुए नरों में दो दिन शुभ माना गए। प्रथम मृत्यु तिथि पर व दूसरे श्राद्ध कर्म अवसरों पर उत्तम तिथि पर जिस दिन वह देवलोक को गया है। प्राचीन ग्रंथों में वर्णित है कि श्राद्ध के दिनों में



अपने सभी भूले-बिसरों के लिए आभावस्था का दिन सौभाग्य अनुकूल है यदि इस दिन पितर हमारे कार्यों नजदीक होते हैं। यदि किसी बाधाशरीर से रोना भी श्राद्ध न किया जा सके तो एकादशी के रोना भी पितरों का श्राद्ध किया जा सकता है जिसका पुण्य उन्हें प्राप्त होता है। परिवार में तीन पीढ़ियों तक का श्राद्ध किया जा सकता है। श्राद्ध करते समय यह जरूरी है कि अपने पितरों का नाम लेकर ही श्रद्धांजलि दी जाए। इस मार्ग पर चलते चलते धर्म में लेकर जो, चावल तथा चिन्तन उल्लेख आह्लाद देने की वास्तुदेव कृष्ण ने योग कहा है - योगः कर्णसु कोशलम्। कृशलपुष्पकं वेदविक्रितं कार्यं करने से पितृलोक की प्राप्ति होती है। योग का मार्ग भारतीय जीवन पद्धति की भीमिक विशिष्टता है जिससे प्रत्येक वर्ग संतुष्ट बन जाता है और उस पर अपनी सुविधाधारण सुलभ मनुष्य सर्वश्रेष्ठ कहलाता है। पितृपक्ष में अपने पूर्वजों की अच्छी बातों को जितना स्मरण किया जाएगा, जितना ही उनको अपनाते की रूचि जागी।

जनता को राहत देगा जीएसटी सुधार

(गौरव बख्श)

जीएसटी सुधार की नई पहल देश की अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में एक प्रभावशाली बदलाव है। इसमें दर-संरचना को नए सिरे से व्यवस्थित करने उसे दो श्रेणियों में बांटा गया है और दर कम रखे गए हैं, जिससे पोस्टल मांग बढ़ेगी और देश तरकी करेगा। यह आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने, अमीनी टैरिफ के दुष्प्रभाव को कुंठ करने और तमाम श्रेणियों में व्यापार को सुगम बनाने के लिए उठाया गया एक रणनीतिक कदम है। एसआई रिस्कर रिपोर्ट के अनुसार, इससे कुल वित्त वर्ष में ख़ात में 1.98 लाख करोड़ श्रेणियों की अर्थव्यवस्था को बढ़ावेगी, जिससे परिवार, व्यापार और गृह अर्थव्यवस्था के लिए यह सुधार 'गेमचेंजर' साबित होगा।

बतौर 3 सितंबर को जीएसटी परिवर्धन ने न सिर्फ़ 'चार दरों के जटिल कर-दरों को इस व्यवस्था को दो ख़तर दूर (5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत) में श्रेणिकृत किया, बल्कि वित्तीयता और हार्मिककर वस्तुओं पर 40 फीसदी की दर को मंजूरी दे दी। रोमनरों की जरूरत की चीज़ों और बुनियादी ज़रूरी संसाधनों को अब निचली दो कर श्रेणियों में रखा किया गया है, जिससे लाज्यों लोगों को परदाय मिलेगा। ये तमाम बदलाव आगामी 22 सितंबर से लागू होंगे, जिनमें 'चार दरों के मुनाफिक, बचत में लगाए जाने वाले भित्त, स्वीलन, मरम्मत, चीनी, नमक, चिकित्सा, कौनों जैसी रोजाना इस्तेमाल होने वाली चीज़ों पर अब सिर्फ़ पांच फीसदी जीएसटी लागू, जो पहले की दरों (12 से 18 फीसदी) से काफी कम है। अतः न सिर्फ़ जीवन रक्षक लाज्यों (33 प्रमुख वस्तुओं) को कर से बाहर कर दिया गया है, बल्कि दूध, पनीर, खाद्य (बाण्टी) जैसे खाद्य पदार्थों पर भी जीएसटी शुल्क हटा दिया गया है, जिसका फायदा है कि हर परिवार के पास खाद्य खर्च करने लायक आगदती बचती और वे अन्य वस्तुओं व सेवाओं पर अधिक खर्च कर सकेंगे। सीमेंट (इसमें जीएसटी 28 फीसदी से 20 फीसदी) 18 फीसदी किया गया है। और गाड़ियों के बल नूतन जैसे बंधों में लागत अब घटेगी, जिससे निर्माण, गाड़ियों को मार और लघु व मध्यम उद्योगों के कारोबार में इजाजत होगी।

पूर्वजों की स्मृति में आम, जामुन के फलदार वृक्ष लगाए जाते हैं। सुआ-बावड़ी खुदवाई जाते हैं। विधा प्रसार के लिए विद्यालय- महाविद्यालय स्थापित किए जाते हैं। नव करवाए जाते हैं। दर-यज्ञ तो संस्तर लोग ही करवा सकते हैं पर भावगत का पाद, गायत्री मंत्र का जाप आदि हर कोई कर सकता है। इसी प्रकार के शुभ कार्यों में बलिबैधवने और भूखों को भोजन कराना भी आ जाता है। शरीर-यज्ञ हो जाने पर भी दिवंगत आत्माएं कहीं न कहीं विद्यमान रहती हैं। वहां से अपनी संतान को शुभ कार्यों में निरत देखकर आशीर्वाद देती हैं। पितरों के आशीर्वाद फलते हैं। प्राचीन ब्राह्मणशास्त्र ग्रंथों में स्वर्गनाम और पितृप्राण दो मार्गों का वर्णन मिलता है। पितरों का मार्ग दक्षिणार्ध मार्ग कहलाता है। इस मार्ग पर चलने वाले विविध कर्मश्रेणियों में यज्ञना प्राप्त करते हैं। यज्ञपूर्वक कार्य करने की वास्तुदेव कृष्ण ने योग कहा है - योगः कर्णसु कोशलम्। कृशलपुष्पकं वेदविक्रितं कार्यं करने से पितृलोक की प्राप्ति होती है। योग का मार्ग भारतीय जीवन पद्धति की भीमिक विशिष्टता है जिससे प्रत्येक वर्ग संतुष्ट बन जाता है और उस पर अपनी सुविधाधारण सुलभ मनुष्य सर्वश्रेष्ठ कहलाता है। पितृपक्ष में अपने पूर्वजों की अच्छी बातों को जितना स्मरण किया जाएगा, जितना ही उनको अपनाते की रूचि जागी।

इन सुधारों से जुड़े प्रमुख अनुमानों के मुताबिक, 0.7 को परमपीसी (उपभोग-प्रवृत्ति) के साथ, प्रत्यक्ष उपभोग में प्रारंभिक नूतन 70,000 करोड़ रुपये की होगी, जबकि इससे 85,000 करोड़ रुपये का राज्यस्तर-नुकसान होगा। जैसे-जैसे नए खर्च अर्थव्यवस्था में शामिल होंगे, मार्ग में 1.98 करोड़ रुपये तक की वृद्धि हो सकेगी। अग्रतकर के हालात बदलावों को भी यदि इसमें जोड़ दें, तो करतब 5.31 लाख करोड़ रुपये की ख़ात बढ़ने की उम्मीद है, जो चालू वित्त वर्ष में जीडीपी का करीब 1.6 प्रतिशत हिस्सा होगा। इन दो सुधारों के बाद जीडीपी में 100 से 120 आधार अर्थों में वृद्धि की उम्मीद है, जिससे चालू वित्त वर्ष में श्रद्धा देर 6.5 प्रतिशत और आगामी वित्त वर्ष में राधा प्रतिशत वृद्धि करवा सकती है। एएसएमसीजी, आई, सीमेंट, रिस्तर और स्वायत्त सेवा जैसे तमाम श्रेणियों में अब तेजी आएगी। सलत अनुकूलन, इन्फुट्र कैंडिड में सुधार और कम बचतों की कारोबारों से पूरक, लघु व मध्यम उद्योगों के विस्तार में मदद मिलेगी, जबकि अग्रतब में सुधार होगा और रोजगार सृजन में सहायता मिलेगी।

बिन्दु मिलाओ और करार करो...

वर्षा पहली 5671

1	2	3	4	5	6
7					
10			11		
12		13		14	15
16	17		18		
19		20		21	
22		23		24	
25			26		

संकेतः बाएँ से दाएँ

1. इस मूल शास्त्र के 24 अक्षर 1605 की आरम्भ में पहली संख्याओं की (4)
2. 24 अक्षर 1915 को हिस्सों के जाने-माने इस खलनायक ने जन्म लिया था, जिन्दगी, हवाय (3)
3. किसी देवता आदि से मांगा हुआ मनोमय, सुख (2)
4. अतीत, पूर्वकालीन सूचक शब्द (1)
5. मोहित करने का प्रयत्न (2)
6. मायिक मत, धर्मरत, पीतारण (2)
7. हिंदी के बारह महिनों में से एक (3)
8. चतुर्विध, चूड़ी बनाने या पहनने वाला (4)
9. ग्राम, गांव (3)
10. खामोश, निरक्षर, चुप (2)
11. किसी देवता आदि से मांगा हुआ मनोमय, सुख (2)
12. अतीत, पूर्वकालीन सूचक शब्द (1)
13. मोहित करने का प्रयत्न (2)
14. मायिक मत, धर्मरत, पीतारण (2)
15. हिंदी के बारह महिनों में से एक (3)
16. चतुर्विध, चूड़ी बनाने या पहनने वाला (4)
17. ग्राम, गांव (3)
18. खामोश, निरक्षर, चुप (2)
19. किसी देवता आदि से मांगा हुआ मनोमय, सुख (2)
20. अतीत, पूर्वकालीन सूचक शब्द (1)
21. मोहित करने का प्रयत्न (2)
22. मायिक मत, धर्मरत, पीतारण (2)
23. हिंदी के बारह महिनों में से एक (3)
24. चतुर्विध, चूड़ी बनाने या पहनने वाला (4)
25. ग्राम, गांव (3)
26. खामोश, निरक्षर, चुप (2)

वर्षा पहली 5670 का हल

सि	जा	पु	र	न	न	द
र	ना	रु	म	स	फ	र
	सा	म	ल	र	मा	
	य	द		भ	त	ख
द	ल	व	ह			
ह	स		स	न	त	न
र	ह	र	व	य	म	
त	रु	वां	स	स	य	द

राप्ता खोजो...

वर्षा पहली 5670 का हल

सि	जा	पु	र	न	न	द
र	ना	रु	म	स	फ	र
	सा	म	ल	र	मा	
	य	द		भ	त	ख
द	ल	व	ह			
ह	स		स	न	त	न
र	ह	र	व	य	म	
त	रु	वां	स	स	य	द

Konark Enterprises Pvt. Ltd. Fully Computerised Weigh Bridge 50 TON 100% Quality & Quantity

Reliance AUTHORISED DEALER Reliance Petrol Pump, Near Sai baba Mandir, Ambarnath



रिश्ते में फिर से नए रंग भरना चाहती हैं तो आजमाइए ये टिप्स

जीवन में मध्य काल को पार करने के बाद बहुत से दंपती की रोमांस में दिवालयों का कम होते जाना स्वाभाविक है। बहुत से दंपती यह सोचते हैं कि कब उनके साथ प्यारभरी बातें की थीं। शायद महीनों हो गए। नतीजा रिश्तों में कड़वाहट के रूप में सामने आती है। यदि आप अपने बेगान होते रिश्ते में फिर से प्यार के नए रंग भरना चाहती हैं तो ये टिप्स आजमाइए।

वैवाहिक जिंदगी में अगर दूरियां जगह बनाने लगे तो समाझिए आप दोनों का रिश्ता लंबा नहीं चल पाएगा। रिश्ते में फिर से गर्माहट लाने के लिए अपने पार्टनर के साथ नियमित रूप से प्यारभरी बातें करें। प्यार से जहां आपको समुचित मिलेगी, वहीं पार्टनर भी आपके करीब आएंगे। शादी के बाद वाला रोमांटिक मूड बनाए रखने के लिए पत्नी हमेशा पति से खूब लडा लडाए, पति की हर मांग और इच्छा को पूरा करने के लिए खुशीखुशी तैयार रहे। पति उसके लिए कुछ अच्छा काम करें, तो पत्नी उन्हें सिर्फ से धन्यवाद देना न भूलें। इस रोमांटिक मोड में एक खबरसूरी तरीके से प्यार करें, रिश्ते को रूमानिया बनाए रखने की जिम्मेदारी भी तो आपको ही है। ऐसे में एक दूसरे के साथ टाइट ब्रिडिंग के लिए डिफर डेट प्लान करें। बिना बेट मीका मिला है तो वे खोते सामग्य, कार में बैठे हुए या रास्ते चलते हुए, एक-दूसरे का हाथ थामना न भूलें। पार्टनर का ये सच्चा आपको उन दिनों की याद ताजा करा देगा जब एक-दूसरे का हाथ थामते ही आपके दिल की घड़कने तेज हो जाती थी। रोमांस करने से आत्मसम्मान में बढ़ोतरी होती है। पार्टनर को अगर ऑफिस के काम का बोझ सता रहा है, तो उसकी इस परेशानी को आप बहुत हद तक सेक्स के जरिए दूर कर सकते हैं। प्यार आपको साथी के करीब तो लाता ही है, साथ ही आपको तनाव भी दूर करता है। हफ्ते में दो से तीन बार रोमांस करने से ब्लड प्रेशर बराबर रहता है, जिसरो रेट्स लेवल कम होता है और ज्यादा खुश रहते हैं।



सीमित आय के साथ खरीदें अपने सपनों का घर

घर खरीदना एक बहुत बड़ा निवेश है। खासतौर पर उनके लिए जिनकी आय सीमित है। अधिकांश युवाओं का मासिक वेतन 15 हजार रुपये प्रति माह से शुरू लेकर लगभग 3 वर्षों में 25 से 30 हजार रुपये प्रति माह तक पहुंचता है। इसी में कई खर्चें पूरे करने होते हैं जिसके बाद घर का सपना पूरा घर पाना लगभग नामुमकिन लगने लगता है। इसी वर्ग को ध्यान में रखकर हम एक ऐसी टपानिती तैयार करेंगे ताकि हर कोई अपने घर का सपना साकार कर सके।

बजट से शुरुआत

सबसे पहले अपना बजट बनाए। इस बात का प्रयास करें कि प्रारंभ में आप ऐसा घर खरीदें, जो आपके बजट में आता हो। बाद में उसे बेवकर प्राप्त राशि को डाउन पेमेंट की तरह प्रयोग करते हुए बड़े घर के लिए बड़ा लोन लेने पर विचार कर सकते हैं।

क्षेत्र का चयन

आमतौर पर शहर के व्यस्त या विकसित इलाकों में घरों की कीमतें अधिक होती हैं। इसलिए ऐसे इलाकों की खोज करें जहां अभी कीमतें कम हैं, लेकिन अगले 5 वर्षों में बढ़ने की संभावनाएं हैं।

ऋण की पात्रता जांच लें

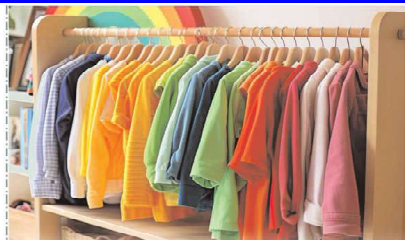
कोई भी बैंक घर या फ्लैट की क्रीमत का शत-प्रतिशत लोन नहीं देता है। लोन की राशि घर की क्रीमत के 80 से 90

फ्रीसदी तक हो सकती है। आपके वेतन से होने वाली कटौतियों को भी ध्यान में रखा जाता है। कुल कटौतियां 60 फ्रीसदी से अधिक न हों, कुछ मामलों में यह 70 फ्रीसदी तक स्वीकार की जा सकती है।

डाउन पेमेंट

अब प्रश्न यह है कि घर की कीमत और बैंक लोन के अंतर को कैसे पाया जाए। इस उद्देश्य से इन विकल्पों पर विचार करें-

- यदि आपके पास स्वयं आमूलण है और वो लॉकर में रखे है, तो उन्हें काम पर लगाएं। गौड लोन आसानी से और कम ब्याज पर मिल जाता है, जिससे प्राप्त धनराशि का उपयोग आप डाउनपेमेंट अथवा मॉर्गिन भरने के लिए कर सकते हैं।
- पोस्ट ऑफिस के एनएससी, बीमा पॉलिसी, बैंक का फिक्स्ड डिपॉजिट, शेयर और म्यूचुअल फंड के आधार पर भी लोन लेकर आप चुन सकते हैं।



ड्रेस सलेक्ट करते समय रखें कलर का खास ख्याल

करते समय सिर्फ उस आउटफिट के वर्क और रटाइल पर ही ध्यान नहीं दिया जाता बल्कि उसके कलर का भी खास ख्याल रखा जाता है, क्योंकि हर कलर हर महिला पर सूट करे जो जरूरी नहीं। इसलिए आउटफिट सेलेक्ट करते समय कलर का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। जैसे कलर सिर्फ आपके कॉम्प्लेक्शन को ही नहीं, बल्कि फिगर को भी कॉम्प्लीमेंट करता है। जी हा अगर आप रिलम लुक चाहती है, तो आपको ड्रेस सलेक्ट करते समय उसके कलर का भी खास ख्याल रखना चाहिए। यदि आप कलर पर ध्यान नहीं देती है, तो ये आपके पूरे लुक को बिगड़ सकता है। अगर आपकी बॉडी थोड़ी हीवी है, और आप रिलम दिखना चाहती है, तो आपको आउटफिट के स्ट्राइल के साथ ही उसके कलर का खास ध्यान रखने की जरूरत

है। आइए जानते हैं कुछ ऐसे कलर के बारे में जो आपको रिलम लुक दे सकते हैं। अगर आप रिलम लुक चाहती है, तो अपने वाइडोब में डाक कलर को जगह दें। आप डाक कलर में रिलम नजर आती है। आप डाक कलर में ब्लैक, नेवी ब्लू, वॉकलेट ब्राउन या डाक ये शेड्स चुन सकती हैं। यह आपको रिलम लुक देगा। अगर आप रिलम लुक चाहती है तो मोनोकोमेटिक रंग पहनें। मोनोकोमेटिक शेड्स पहनने से आपके शरीर का बनावी परिया पलता नजर आता है। जैसे की हमने पहने ही कडा की कलर के साथ स्ट्राइल का भी आपको ख्याल रखना है, रिलम दिखने के लिए सिर्फ एक ही कलर पर आप टिची न रख जाए बल्कि इसके बजाय आप डाक और वाइड शेड्स का कॉम्प्लेक्शन के साथ भी ट्राई करें। इससे आप रिलम और स्ट्राइल लुक पा सकती है।

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं कि अगर आपको अच्छी सेहत प्राप्त में मदद करने हैं तो फलों के छिलके आपकी खुशबूरी में चार नौद लगाने का काम भी कर सकते हैं।

पीतले का छिलका

चेहरे को स्वच्छता दूर करके त्वचा का लो बढ़ाने का काम करता है पीतले का छिलका। इसके लिए पीतले के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। जिन वनस्पत पाउडर में एक चम्मच मिलाकर मिलाकर इसका पाउडर बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। फेस पैक करने पर अपना चेहरा भी चमकने लगेगा।

संतरों का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संत्रों के छिलके को पीसकर उसका बारीक पाउडर बना लें। अब इस पाउडर में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चूटकी हल्दी मिलाकर इस पाउडर को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। फेस सुखने पर चेहरे डोई पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पाउडर बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह लगाएं। फेस सुखने पर अपना चेहरा भी चमकने लगेगा।

केले का छिलका

टैनिंग से मुक्तकरण के लिए आप केले के छिलके के अक्सनी सफेद भाग को चेंद्रे पर हल्के थपों से सीधे मिश्र तत्व रगड़ें। इसके बाद चेहरे धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर उसका पाउडर बनाकर चेहरे पर लगाएं। फेस सुखने पर अपना चेहरा भी चमकने लगेगा।



परिवार और खुद को ऐसे सुरक्षित रखें



आजकल 'सायबर किडनेपिंग' शब्द काफी चर्चा में है। अन्य ऑनलाइन टगी की तरह सायबर किडनेपिंग भी सायबर क्राइम का एक तरीका है। इसमें अपराधी इंटरनेट की मदद से व्यक्ति की सारी जानकारी इकट्ठी करता है और फिर उसे कॉल करता है। वह व्यक्ति को धमकाकर, डराकर और परिजनों को नुकसान पहुंचाने का हवाला देकर उसकी बताई हुई जगह पर जाने के लिए कहता है। वीडियो कॉल या फोटो मांगकर उस पर नजर रखता है। वहीं दूसरी तरफ व्यक्ति के घर पर फोन करके और नकली तस्वीरें या वीडियो भेजकर उसके अपहरण का दावा करता है। जेकर असल में अपहरण होता ही नहीं है। कुछ अपराधी पीड़ित व्यक्ति की नकली तस्वीरें, आवाज या वीडियो बनाने के लिए पआई का सहारा ले रहे हैं।

अधिक जोखिम में है जो परिवार से दूर अन्य राज्य या देश में रहते हैं। सोशल मीडिया का सावधानी से इस्तेमाल सोशल मीडिया या मैसेंजर पर अपनी निजी जानकारी ध्यान से साझा करें। परिवार में कौन, कहा रहता है या दिनचर्या क्या है, इसे साझा करने के बचें। कई लोग घर जाने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं कि वे कितने दिनों बाद अपने घर-शहर आए हैं। कई लोग अपने प्लानर की तस्वीर भी साझा करते हैं, जिसमें कई ऐसी जानकारियां या दिनचर्या लिखी हो सकती हैं जिन पर अपराधी की नजर आ सकती है। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से बचें। मोबाइल का साफ्टवेयर अपडेटेड रखें। मजबूत पासवर्ड रखें। इनकी मदद से भी टग आप तक पहुंच सकता है।

पहले सबूत जुटाएं...

उम से सबूत के तौर पर पीडित से बात कराने से लिए कहें। अगर वो किसी और व्यक्ति को पीडित बनाकर बात कराए तो उससे निजी सवाल के जवाब माग सकते हैं। सवाल ऐसे होने चाहिए जिनका जवाब केवल पीडित और आप जानते हों, जैसे कि कोई यादगार लम्बा या झर्र पल आदि। अगर बात करने से वो इंकार करता है तो उसे सवाल पूछने से लिए कहें।

कैसे बच सकते हैं सायबर किडनेपिंग से

आवाज पर ध्यान दें। इससे अपराधी तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। अगर वो सके तो उसी वक़्त दूसरे फोन से पीडित से संपर्क करें। उसकी सुरक्षा सुनिश्चित होने ही पता लग जाएगा कि फोन टगी के लिए है।

मदद जरूर दें...
इस तरह के फोन अपने घर बंद नहीं। उसके करने पर फॉरेन कॉर्ड फिसला लेते से बचें। ठग कुछ भी करने के लिए कहना है तो उस समय उसको हां कह दें ताकि बोलने के तरीके और पीछे से आने वाली

उसे लगे कि आप उसकी बात मान रहे हैं। लेकिन उसके बाद पुलिस और सायबर सेल की मदद लें।

परिवार को बताएं...
अगर सायबर किडनेपिंग का शिकार बनाने की संभावना से उम कॉल करता है तो फौरन इसकी जानकारी परिवार को दे ताकि वे भी सचेत हो जाएं। सबूत के लिए टगी की कॉल रिकॉर्ड करें या मैसेज का स्क्रीनशॉट लें।

अब मराठा-ओबीसी के बीच बढ़ा टकराव

अपनों ने ही बढ़ाई मुख्यमंत्री फडणवीस की टेंशन

पक्ष और विपक्ष दोनों ने साथ मिलकर खोला मोर्चा



मुंबई (एजेंसी)। देवेद्र फडणवीस की अगुआई वाली महाराष्ट्र की एनडीए सरकार नई टेंशन में डूब रही है। अभी हाल ही में मराठा आंदोलनकारी गनोज जगत पाटिल और मराठों को शांत करने के लिए जो संकल्प प्रस्ताव जारी किया गया है, उसका उनका सरकार के मंत्री समेत विपक्षी दलों के ओबीसी नेताओं ने भी विरोध किया है। इन ओबीसी नेताओं ने अब जीआर के खिलाफ अदालत जाने का फैसला किया है। दरअसल, सरकार ने जीआर जारी कहा था कि प्रायः मराठों को कुनबी जाति का प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। कुनबी जाति ओबीसी समुदाय के तहत आता है। राज्य सरकार के इस फैसले का फडणवीस सरकार में ही मंत्री और ओबीसी नेता छान भुजबल ने विरोध किया है और कहा है कि सरकारी आदेश से ओबीसी के मौजूदा आरक्षण पर असर पड़ेगा। भुजबल उन मुख्यमंत्री अजित पवार की पार्टी एनपीसी के वरिष्ठ नेता हैं और राज्य के खाद्य आपूर्ति मंत्री हैं।

ओबीसी समुदाय लामबंद आंदोलन करेगा तेज

हेदरवार गट लागू करने और जीआर जारी करने के सरकार के इस फैसले के बाद महाराष्ट्र में ओबीसी समुदाय के बीच तेजी से असंतोष उभरा है। सरकारी आदेश के विरोध में कई लोग भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं और आंदोलन शुरू कर दिया है। ओबीसी कैटेगरी में 37.4 जातियां हैं और सभी अपने-अपने तरीके से आंदोलन कर रहे हैं। इस बीच, ओबीसी नेता छान भुजबल ने कहा है कि वो सरकारी आदेश के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट जाएंगे। भुजबल ने कहा, हम सप्ताह भर के माध्यम से अपना सारा अगना रहे हैं। दूसरी तरफ, इसी मुद्दे पर एक दुर्लभ सियासी गठजोड़ भी उभरा है। दलगत नीतियों से ऊपर उठकर कई दलों के ओबीसी नेताओं ने इस मुद्दे पर एजेंटद्वारा दिखाई है। कांग्रेस के ओबीसी नेता जितय वडेट्टीवार के नेतृत्व में कई ओबीसी नेताओं ने राज्य सरकार के इस कदम के खिलाफ रणनीति बनाने के लिए मुंबई में सोमवार को बैठक की।

सेना को अब 'डिजिटल तलवार' की तलाश

साइबर और इंटर्नेट में ऑपरेशन से निपटने का प्लान डेडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना साइबर और इंटर्नेट में ऑपरेशन वॉर के बढ़ते खतरों से निपटने पर काम कर रही है। इसके लिए स्वदेशी तकनीकी की भी तलाश जारी है। इसमें डीप फेक डिटेक्शन सॉफ्टवेयर, साइबर रेंज के जरिए सैनिकों को ट्रेनिंग और मैग-पोर्टल इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरण शामिल हैं। सुरक्षा बलों का लक्ष्य एसी तकनीक हासिल करना है जो संवेदनशील जानकारी को सुरक्षित रखे। इसके लिए डीप फेक डिटेक्शन सॉफ्टवेयर की मांग की जा रही है, जो लगभग थियल-टाइम में 100 फीसदी सटीक जानकारी दे सकता है। यह एक तरह की 'डिजिटल तलवार' होगी। ऑपरेशन सिंदूर से पहले पाकिस्तान ने साइबर और इंटर्नेट में ऑपरेशन वॉर के जरिए भारतीय सेना को निशाना बनाया। हजारों फजी तस्वीरों और वीडियो वायरल किए गए। साथ ही सुरक्षित नेटवर्क में घुसने की कोशिशें की हुईं। सेना का कहना है कि नया सॉफ्टवेयर भीषण के लिए तैयार होना चाहिए, क्योंकि डीप फेक बनाने के नए तरीके सामने आ रहे हैं।

पीएम ने पंजाब में बाढ़ग्रस्त इलाकों का जाना हाल

हवाई सर्वे किया, गुवादासपुर में आम लोगों से मिले, 1600 करोड़ देगे

हिमाचल को 1500 करोड़ रुपए देने का किया ऐलान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल के बाद पंजाब में बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे किया। वह गुवादासपुर में आम लोगों से मिले और पंजाब को 1600 करोड़ देने का ऐलान किया। पंजाब की एपीए सरकार ने केंद्र से 80 हजार करोड़ रुपए की मांग की है। इससे पहले पीएम ने हेलीकॉप्टर से कुल्लू, मंडी और चंबा में हुए नुकसान का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद कांगड़ा में आपदा को लेकर एक बैठक की, जिसमें अधिकारियों ने प्रेजेन्टेशन के माध्यम से उन्हें नुकसान की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने 1500 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता देने का ऐलान किया।

आपदा में बची एक साल की बच्ची से मिले पीएम

पीएम नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश में आई बाढ़ और भूस्खलन की आपदा का मंगलवार को जायजा लिया। उन्होंने हवाई सर्वे किया और कई लोगों से गुलाकात भी की। इसके साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के लिए कई फैसले भी लिए हैं ताकि प्रभावितों को राहत मिल सके। पीएम मोदी सबसे पहले कांगड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने बाढ़ प्रभावितों से मुलाकात की। इस दौरान पीएम ने एक साल की बच्ची निकिता को भी गोद में लिया। राज्य में आई आपदा की निवारण एक वृत्तिक बन गई है। बच्ची ने मंडी जिले में बाढ़ल फटेनी की घटना में अपना पूरा परिवार ही खो दिया, लेकिन खुद जीवित है।



लोगों ने ऑपरेशन सिंदूर को 4 दिन का टेस्ट मैच बताया

सेना प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी बोले-युद्ध हमेशा अनिश्चित होते हैं

कहा-सेना के लिए आत्मनिर्भर भारत जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने मंगलवार को ऑल इंडिया मैनेजमेंट ऑपरेशन के कार्यक्रम में कहा कि सेना के लिए भी आत्मनिर्भर भारत जरूरी है। पहले संघर्ष के समय जहां 100 किमी की रेंज वाले हथियारों की जरूरत थी, आज वहां 300 किमी की रेंज वाले हथियार चाहिए। उन्होंने ओएस- हमाए विरोधियों की तकनीक आगे बढ़ रही है। हम विदेशी हथियारों पर हमला निर्भर नहीं रह सकते। अपनी क्षमता पर भरोसा और लगातार मजबूत होना ही हमें



पशिया के युद्धों के लिए तैयार कर सकता है। सेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा- कुछ लोगों ने कहा कि ये तो चार दिन का टेस्ट मैच था लेकिन आप युद्ध के बारे में पहले से कुछ नहीं कह सकते। हमें कोई अंदाजा नहीं चल रहा है कि ऑपरेशन कितने दिन चल रहा है। मैं कुछ दिन पहले ही इस सिलसिले में विदेश

रुस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ था, तब किसी को अंदाजा नहीं था कि ये इतना लंबा चलेंगा। इरान-इराक युद्ध लगभग 10 साल चला। नई तकनीक और भीषण की तैयारी जारी है सेना प्रमुख ने आने वाले समय में नई तकनीक वाले हथियारों को सेना में शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा- भारत हथियारों के मामले में राष्ट्रफल से लेजर हथियारों तक जाना चाहता है। हम ऐसे टैंक सेना में शामिल कर रहे हैं जो बिना किसी व्यक्तिक संश्लित हो सके। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा- सेना के लिए नए हेलीकॉप्टरों की खरीद पर भी बात चल रही है। मैं कुछ दिन पहले ही इस सिलसिले में विदेश गया था।

एशज सीरीज से पहले इंग्लैंड को राहत, कंधे की चोट के बाद ट्रेनिंग पर लौटे स्टोक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। एशज सीरीज से पहले इंग्लैंड की टीम को बड़ी राहत मिली है। टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स कंधे की चोट के बाद ट्रेनिंग पर लौट आए हैं। ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड की टीमों पांच मुकामलों की एशज सीरीज 21 नवंबर से 8 जनवरी के बीच खेलेगी। माना जा रहा था कि चोटिल होने के बाद वह अनुभवी ऑलराउंडर करीब छह या सात हफ्ते तक मैदान से दूर रह सकता है, लेकिन इंग्लैंड की काउंटी टीम डरहम के साथ नेट्स में ट्रेनिंग पर वापसी करते हुए स्टोक्स ने तमाम आशंकाओं को दूर कर दिया। डरहम के कोच रयान कैमबेल ने पुष्टि करते हुए बताया कि स्टोक्स ट्रेनिंग के दौरान नेट्स पर बल्लेबाजी के लिए लौट आए हैं। कैमबेल ने बीबीसी रेडियो 5 लाइव पर कहा, स्टोक्स ट्रेनिंग पर वापस आ गए हैं। पिछले हफ्ते से उन्होंने बल्लेबाजी शुरू कर दी। उनका सेसन वाकई अच्छा रहा। उन्होंने करीब दू ट्रेड तक बल्लेबाजी की। उनकी बल्लेबाजी अच्छी नजर आ रही है, लेकिन उन्हें गेंदबाजी में अभी काफी समय लगेगा। कैमबेल के मुताबिक, इंग्लैंड की टीम एशज तभी जीत सकती है, जब स्टोक्स पांचों टेस्ट मैच खेलें और अच्छे प्रदर्शन करें, लेकिन उन्हें यकीन नहीं है कि स्टोक्स ऐसा कर पाएंगे। कैमबेल ने कहा, स्टोक्स टीम की बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूत बनाते हैं।

एशिया कप से पहले सूर्यकुमार यादव की चेतावनी

संभल जाए पाकिस्तान, वरना भुगतना होगा अंजाम

दुबई, एजेंसी। एशिया कप का आयोजन इस बार यूएई में किया जा रहा है। टीम इंडिया इस टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह से तैयार नजर आ रही है। टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मुकामला भारत और पाकिस्तान के बीच मुकामला खेला जाएगा। यह मैच 14 सितंबर को होगा। इस महामुकामले से पहले भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान को हल्के अंदाज में चेतावनी दी है। उन्होंने साफ किया कि उनकी टीम मैदान पर हमेशा आक्रामक रहेगी। भारत इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत नुस्खार को मेजबान यूएई के खिलाफ करेगा, जबकि पाकिस्तान का पहला मैच मुकामला को हल्के अंदाज में होगा। एशिया कप शुरू होने से पहले मीडिया से बात करते हुए सूर्यकुमार यादव ने कहा कि जब वे



मैदान पर उतरते हैं तो आक्रामकता हमेशा रहती है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट बिना आक्रामकता के नहीं खेला जा सकता। उन्होंने अपनी टीम की तैयारियों के बारे में बताया कि पहले ही टीम ने जून के बाद ज्यादा टी-20 क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन आईपीएल में खिलाड़ियों के प्रदर्शन और हाल ही में नेट पर बतौर एए समय से टीम पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि इस चुनौती स्वीकार करते हैं। देखते हैं कि यह कैसा होता है। जब उनसे पूछा गया कि क्या टीम की रणनीति में कोई बदलाव होगा, तो भारतीय कप्तान ने एक मजेदार जवाब दिया, अभी तक सब बढ़िया चल रहा है, क्यों बिना मतलब का अंजाम करना है। उनका कहना है का मतलब था कि अगर सब कुछ ठीक चल रहा है तो बदलाव क्यों करें।

सूर्यकुमार की कप्तानी में पहली बड़ी परीक्षा

रोहित शर्मा के टी20 इंटरनेशनल से रन्यास के बाद सूर्यकुमार यादव भारत के फुल-टाइम कप्तान बने हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने 22 में से 17 मैच जीते हैं, जो एक शानदार रिकॉर्ड है। एशिया कप सूर्या की कप्तानी में भारत का पहला मस्ट-नेशन टूर्नामेंट होगा, जो उनके लिए एक बड़ी परीक्षा साबित होगा। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया काफी मजबूत नजर आ रही है।

टैबिल टेनिस: अनन्या और दिव्यांशी की जोड़ी का दमदार प्रदर्शन, स्टार कंटेंडर में अंडर-15 युगल खिताब जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। अनन्या और दिव्यांशी ने अपना धैर्य बरकरार रखते हुए चीन की जोड़ी के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 6-11, 14-12 से जीत दर्ज की। अनन्या मुरलीधरन और दिव्यांशी भीष्मिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में झाओ वेंगकी और ल्यू झिलिंग की चीन की जोड़ी को हराकर डब्ल्यूटीटी युवा स्टार कंटेंडर टेबल टेनिस टूर्नामेंट में अंडर-15 लड़कियों के युगल वर्ग का खिताब जीता। कड़े मुकामले में अनन्या और दिव्यांशी ने अपना धैर्य बरकरार रखते हुए चीन की जोड़ी के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 6-11, 14-12 से जीत दर्ज की। दबाव को बेलना और तनावपूर्ण क्षणों में आक्रामक जवाब देने



की क्षमता भारतीय जोड़ी को पोलियम पर शीर्ष स्थान दिलाने में निर्णायक साबित हुई। इससे पहले सेमीफाइनल में इस जोड़ी ने हमवतन रियाना मयूर और अंकेलिका चक्रवर्ती को 3-1 (11-2, 10-12, 11-3, 11-6) से

हराया था। रियाना और अंकेलिका को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के लिए एनी अर्पिन्द और श्रद्धिक्ता गुप्ता ने क्रमशः अंडर-19 और अंडर-15 बालक एकल वर्ग में रजत पदक जीते। अर्पिन्दर जापान के इवेइबा शूटो के खिलाफ सीधे गेम में 0-3 (6-11, 7-11, 8-11) से हार गए जबकि श्रद्धिक्ता को भी खिताबी मुकामले में कोरिया के ली सेयूंग-क के खिलाफ 0-3 (8-11, 5-11, 8-11) से शिकस्त झेलनी पड़ी। अंडर-19 मिश्रित युगल में अर्पिन्दर और शिडेला दास की जोड़ी जबकि अंडर-15 बालक युगल में श्रद्धिक्ता और साहिल रावत की जोड़ी ने कांस्य पदक जीते।

आईएसएएफ विश्व कप के पहले दिन भारतीय निशानेबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन

निंगबो (चीन), एजेंसी। सूर्यि राव और युवा अमित शर्मा की जोड़ी 10 मीटर एयर पिस्टल में 594 के कुल क्वालीफिकेशन राउंड स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रही। सूर्यि ने 284 जबकि शर्मा ने 290 का स्कोर किया। भारत का आईएसएएफ विश्व कप निशानेबाजी प्रतियोगिता में पहले दिन निराशाजनक प्रदर्शन रहा क्योंकि उसकी 10 मीटर एयर पिस्टल और राइफल मिश्रित टीम में मालतार को यहां फाइनल में पहुंचने में नाकाम रही। 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दोनों भारतीय जोड़ियां क्वालीफिकेशन में क्रमशः 11वें और 13वें स्थान, जबकि 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम में 14वें और 34वें स्थान पर रही। सूर्यि



राव और युवा अमित शर्मा की जोड़ी 10 मीटर एयर पिस्टल में 594 के कुल क्वालीफिकेशन राउंड स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रही। सूर्यि ने 284 जबकि शर्मा ने 290 का स्कोर किया। चीन ने 585 अंकों के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान प्राप्त किया तथा स्वर्ण पदक के लिए हुए मुकामले

में चेक गणराज्य को 17-5 से हराया। ओलंपियन रिम सागान और निराश रावत की अन्य भारतीय जोड़ी 21 टीमों में 571 अंकों के साथ 13वें स्थान पर रही। रिदम ने 299 अंक बनाए, जबकि 23 वर्षीय रावत 282 अंक ही बना पाए। 10 मीटर एयर राइफल में, एशियाई खेलों की व्यक्तिगत कांस्य पदक विजेता रमिता जिंदल और मदीनेनी उमाहेश को जोड़ी 628.6 अंकों के साथ 14वें स्थान पर रही। रमिता ने 312.9 जबकि उमाहेश ने 315.7 अंक बनाए। पंग शिन्तू (318.5) और दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता शंग लिंगाओ (318.4) की चीनी जोड़ी ने 636.9 का विश्व रिकॉर्ड स्कोर बनाकर क्वालीफिकेशन राउंड में शीर्ष स्थान हासिल किया। ओलंपियन दिव्यांशी मिहं पंवार (309.3) और मेघना सक्ननार (312.8) की अन्य भारतीय जोड़ी 36 टीमों में 622.1 अंकों के साथ 34वें स्थान पर रही। भारत ने इस प्रतियोगिता में भाग लेने के 24 खिलाड़ियों को भेजा है।



नमक के पानी का चमत्कार

घर में रोजाना नमक के पानी से पोंछा लगाइए, घर में पॉजिटिव एनर्जी के साथ ही जल्द नजर आएंगे ये बदलाव

वास्तु शास्त्र में घर में नमक के पानी से रोजाना पोंछ लगाने के चमत्कारिक लाभ बताए गए हैं। ऐसा माना जाता है कि साधारण सा नमक आपके घर की ऊर्जा को पूरी तरह बदल सकता है। वास्तु और फेंगशुई दोनों ही मानते हैं कि नमक नकारात्मक ऊर्जा को सोखने की अद्भुत क्षमता रखता है। यदि आप प्रतिदिन पोंछ लगाते समय पानी में थोड़ा सा नमक मिला लें, तो घर में सकारात्मकता आने लगती है और कुछ चौकाने वाले परिवर्तन महसूस होने लगते हैं। आइए जानते हैं घर में रोजाना नमक के पानी का पोंछ लगाने के फायदे। नमक के अंदर तो शक्ति होती है तो आपके घर की सारी नेगेटिविटी को दूर कर सकता है। वास्तु शास्त्र और फेंगशुई दोनों में ही यह माना गया है कि नमक केवल स्वाद बढ़ाने के लिए ही नहीं, बल्कि घर की नकारात्मक ऊर्जा को हटाने का भी शक्तिशाली माध्यम है। यह एक प्राकृतिक ऊर्जा वलीनजर की तरह काम करता है, जो आसपास फैली नेगेटिविटी को सोखकर वातावरण को शुद्ध और सकारात्मक बना देता है। अगर आप रोजाना पोंछ लगाते समय बाल्टी के पानी में थोड़ा सा सेंधा नमक या सागान्य नमक मिला लें, तो कुछ ही दिनों में घर के वातावरण में सुखद बदलाव महसूस होने लगते हैं। साथ ही मानसिक तनाव कम होता है, पारिवारिक वलेश में कमी आती है। आइए आपको बताते हैं नमक के पानी से पोंछ लगाने के फायदे।

नकारात्मक ऊर्जा का नाश
नमक मिले पानी से पोंछ लगाने से घर की दीवारों और कोनों में पसरी हुई नकारात्मक ऊर्जा धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है। इससे मानसिक तनाव, आपसी झगड़े और रोजमर्रा की खींचतान में कमी आती है। माहौल स्वच्छ और शांत भरा महसूस होता है। रोजाना यह उपाय करके दीवार, धीरे-धीरे आपको लगने लगता है कि आप घर में जगह बना चुकी नेगेटिव एनर्जी खत्म हो रही है और उसके स्थान पर पॉजिटिव एनर्जी बढ़ रही है।

धन और समृद्धि का आगमन
मान्यता है कि जहाँ नकारात्मक ऊर्जा नहीं होती, वहाँ लक्ष्मी का वास होता है। यह उपाय आर्थिक दृष्टि से भी लाभदायक माना गया है। आय में वृद्धि और खर्चों में संतुलन आने लगता है। घर में बखत बनी रहती है।

बुरी नजर से सुरक्षा
नमक चुरी नजर और टोने-टोकेको को भी दूर करने में सहायक होता है। खासकर छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए यह उपाय बेहद लाभदायक है।

बीमारियों से सहत
जब घर का वातावरण सकारात्मक होता है, तो उसका सीधा असर शरीर और मन पर पड़ता है। बार-बार बीमार पड़ना, बीमार कारण थकान या सुस्ती महसूस होना, यह सब कम होने लगता है। घर में रहने वाले लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बेहतर होती है। आपके मन में एक नई प्रकार की ऊर्जा का संचार बढ़ता है और आपकी संतान भी खुशहाल रहती है।

नींद में सुधार
जब घर की ऊर्जा संतुलित और शुद्ध होती है, तो उसका सीधा असर नींद पर भी पड़ता है। बेहतर नींद से मन शांत और शरीर ऊर्जावान रहता है। अतिसा जैसी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

घर में आने लगती हैं नई संभावनाएं
वर्द्ध लोग यह अनुभव करते हैं कि जैसे ही उन्होंने नमक वाला पोंछ लगाना शुरू किया, उनके रुके हुए काम बनने लगे, नई नौकरों के अवसर आए, और जीवन में सकारात्मक घटनाएं घटने लगीं। आप भी यह उपाय आजानाकार देखिए।

रिस्तों में मित्रता
शुद्ध और शांत वातावरण रिस्तों पर भी सकारात्मक असर डालता है। घर के सदस्यों के बीच तालमेल बढ़ता है, झगड़े कम होते हैं और आपसी समझ बेहतर होती है। यह उपाय परिवार को एकजुट रखने में मदद करता है।

मेहनत भी कहेगे - घर का वातावरण बहुत अच्छा है
जो लोग आपके घर आएं, वे बिना बताए वह कहेंगे कि आपके घर में बहुत अच्छी वायुमय है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि ऊर्जा स्तर साफ और

इन बातों का रखें ध्यान
हर दिन ये उपाय करें, खासकर मंगलवार और शनिवार को जरूर। नमक का पानी सीधे सिंक या ड्रिनेट में न बहाएं, बल्कि उसे घर से बाहर फेंकने की कोशिश करें। पूजा घर या मंदिर में नमक वाला पोंछ न लगाएं। अगर घर में कोई बीमार है, तो उनके कमरे में न यह उपाय खासतौर पर करें।

क्या कहते आपके सितारे

मेष पूर्व दिनों की अपेक्षा दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा। मीडिया से जुड़े लोगों की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। विवाह आदि मांगलिक काम में आ रही बाधा दूर हो सकती है। व्यवसाय में बढ़ा फेरबदल कर सकते हैं। छोटे भाई-बहनों की मदद करनी पड़ेगी।

वृषभ आज पूरा दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। प्रत्येक समस्या का समाधान कुशलता से कर लेंगे। नकारात्मक विचारों को स्वयं पर हावी न होने दें। किसी की सहायता करने से आपको मदद मिलेगी। पहले दिया गया उधार आपको वापस मिल सकता है। उच्च शिक्षा में सफलता प्राप्त होने के आसार हैं।

मिथुन कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहने वाला है। नयी तकनीक का प्रयोग आप सीख सकते हैं। जिम्मेदारी के साथ सभी काम करेंगे जिसका सुखद परिणाम आपको प्राप्त होगा। फोन के माध्यम से आपको शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं।

कर्क आज अत्यधिक काम के कारण आपको आराम नहीं मिलेगा जिसके कारण थकान महसूस हो सकती है। जल्दबाजी में कोई बड़ा निर्णय न लें। मित्रों के स्वभाव में आया अज्ञानक बदलाव आपको दुखी कर सकता है। अगनी गुप्त बातें किसी से शेयर न करें। भारी सामान उठाने से बचें।

सिंह आपकी व्यावसायिक योजना सफल होगी। आपकी मनोकामना पूर्ण हो सकती है। सम्पत्ति के मामले में आज हल होने की संभावना है। रिश्तेदारों से साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। लोग आपको बातों से प्रभावित रहेंगे। वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा।

कन्या आज आप कुछ नया सीखने को लेकर उत्सुक रहेंगे। सामाजिक यश और सम्मान प्राप्त होगा। किसी मित्र से बहस हो सकती है। आपको मेहनत का उचित परिणाम आज शायद ही मिले। इसीलिए आपको धैर्यवान होकर ही सारे काम करने चाहिए।

तुला आज धन लाभ के बेहतरीन अवसर मिल सकते हैं। परिवार के सभी सदस्य आपसे प्रसन्न रहेंगे। सन्तान की सफलता से उत्साहित हो सकते हैं। व्यापार में महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। बच्चों की सफलता से गौरवान्वित महसूस करेंगे।

वृश्चिक आपके कुछ काम बिगड़ सकते हैं। प्रेम सम्बन्धों में ज्यादा भावुक नहीं होना चाहिए। कानूनी मामलों को लेकर थोड़े सावधान रहें। लगत प्रवृत्ति के लोगों के साथ सम्पर्क न रखें। पेट में कुछ विकार उत्पन्न हो सकते हैं। अभिप्राय और संगीत आदि में रुचि लेंगे।

धनु सामाजिक कार्यों में आप भाग लेंगे। विरोधियों के ऊपर भारी पड़ेगा। नयी जीविक की तलाश कर रहे हैं तो सफलता मिलेगी। शेयर मार्केट से धन लाभ प्राप्त होगा। लघु उद्योगों में आपको सफलता मिलेगी। तीर्थ यात्रा की योजना बना सकते हैं।

मकर आपकी सुझबुझ की सर्वत्र प्रशंसा होगी। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। व्यापार में आपको सानदार परिणाम मिलेंगे। बच्चों के साथ अपना व्यवहार अच्छा रखें। आपकी सलाह से लोगों को लाभ प्राप्त होगा। रुका हुआ धन आपकी वापस मिलेगा।

कुंभ कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन बेहतरीन होगा। आपको मेहनत के दम पर तम सफलता मिलने की संभावना है। परिजनों के साथ बहस हो सकती है। क्रोध और गुस्से के कारण आपको परेशानी होगी। अपने विचारों को दूसरों पर न लादें। अपने मन पसन्द कार्यों को समय अवश्य दें।

मीन वैवाहिक सम्बन्धों में मधुरता रहेगी। विद्यार्थी नयी जानकारीयों को सीखने का प्रयास करेंगे। ज्यादा मेहनत करने के कारण शरीर में थकावट हो सकती है। आज आपके पास काम की अधिकता रहेगी। अधिकारियों का विरोध धैर्यवान पड़ सकता है। मित्रों की मदद से आपकी कोई योजना सफल होगी।

KACHHOMAL
ALL KINDS OF SWEETS & SNACKS
WE ALSO ACCEPT PARTY ORDERS
Raju K.Panjwani - 2531293, 3211365
Rakesh K. Panjwani - 9890359000
Shop No. 132, Opp. Mat Mandir, Ulhasnagar-5.

T.S.Chandwani
Specialist In :-
Bread, Cake & Biscuits
Fact: Amar Dye Rd., Near Shahad Cabin, Ulhasnagar-1. Tel. 2546079
Office: Baba Sai Nagar, Block A252/504, Ulhasnagar-4. Tel. 2527034

Hotel Dayanand Shetty
Ambrosia
2713001, 2712002,
2712003, 2564257
Opp. Vithalwadi Rly. Station (W), Ulhasnagar-421003.

Hotel VEEJAYS
Lodging and Boarding
Ulhasnagar Station Road, Burner Galli, Sukhdev Compound, Ulhasnagar-3
Tel. : 02512570009
Mob. : 07083880259

LIVE IN LAP OF LUXURY
RAMDEVI TOWER
MAHARERA - P51700076849
1BHK & 2BHK & COMMERCIAL SHOPS AVAILABLE
Contact: 7770003478, 7770003479
Gmail: ramdevitower2024@gmail.com
SITE ADDRESS : B. K No- 1150, ROOM NO. 3,4,5,6 POWAI CHOWK, ULHASNAGAR - 421003, DIST- THANE

प्रकाशक, मुद्रक, मालिक संपादक श्री टीकम (टोनी) जे. लालवानी ने जय श्रीकृष्ण प्रिंटिंग प्रेस से छपाकर मालो श्री मोहिनी बाई पैलेस, बैक नंबर 427, रूम नंबर 15, निरंकारी हॉल के पीछे, उल्हासनगर-421001, जिला ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया।
RNI No. 68359/93,
(सभी प्रसंगों का न्याय क्षेत्र उल्हासनगर रहेगा)
दैनिक 'धनुषधारी' में छपने वाली विज्ञापनों की सत्यता को जिम्मेदारी हमारी अथवा प्रेषक की नहीं है। विज्ञापन में छपने वाले उत्पाद खरीदने, बेचने या किसी भी व्यवसाय या नौकरती लेने-या देने को जिम्मेदारी पाठक को खुद की रहेगी। -न्ययंन।

Makhija Construction
+ Email : makhijaconstruction@gmail.com, makhijaconstruction@hotmail.com
+ Hollywood Apartment, Shop No. 2 & 3, Opp., LICICI Bank, Near Chopra Court, Ulhasnagar-3 Ph.0251-2563555

कूपर अस्पताल के खिलाफ लगातार मिल रही शिकायतों के चलते मनाफ के फैसले से मरीजों और उनके परिजनों को राहत



मुंबई (नि.स.)। मुंबई के विले पार्ले स्थित डॉ.आरएन कूपर अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों को लगातार मिल रही शिकायतों के बाद आर्थिककार मुंबई महानगरपालिका प्रशासन हरकत में आया है। अब अस्पताल प्रबंधन ने मरीजों को राहत देने के लिए कई अहम कदम उठाते हुए अपनी कार्यप्रणाली में कई बदलाव और सुधार करने शुरू कर दिए हैं। दरम्यान कई मरीजों से परीज और उनके परिजन कूपर अस्पताल में किराजिक के समय, साफ-सफाई और दवाओं को कमी जैसे कई शिकायतों को लेकर शिकायत कर रहे थे। बार-बार मिल रही शिकायतों के भेदने पर सबसे बड़ा बदलाव किराजिक के समय में किया गया है। मरीजों को लंबे कतारों में न लगाना पड़े, इसके लिए किराजिक का समय 3 घंटे बढ़ा दिया गया है। साथ ही, पर्जीकरण सहायकों को संख्या बढ़ाई गई है और 5 विडुकिंगों पर पर्जीकरण की सुविधा दी जा रही है।

850 शिकायतों का समाधान

मनाफ प्रशासन का कहना है कि पिछले तीन हफ्तों में 850 से ज्यादा शिकायतों का समाधान किया गया है। इसके लिए तीन सदस्यीय पंचवेथी समिति बनाई गई है, जो अस्पताल के दैनिक कामकाज को निगरानी कर रही है। समिति का ध्यान दवाओं की आपूर्ति, साफ-सफाई और कर्मचारियों की उपस्थिति पर है।

दवाओं और उपकरणों की कमी दूर करने का उपाय

कूपर अस्पताल में दवाओं और उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अब तक 350 कार्य आदेश जारी किए जा चुके हैं। मनाफ का दावा है कि अब किसी भी मरीज को दवाओं के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इसके अलावा, इलाज को प्रक्रिया तेज और सुचारु हो, इसके लिए अतिरिक्त कर्मचारियों को नियुक्ति की गई है।

सफाई और चूहों की समस्या पर नियंत्रण

कुछ दिन पहले अस्पताल में भरी दो बुजुर्ग महिला मरीजों को चूहों द्वारा काटे जाने की चौंकाने वाली घटना सामने आई थी। इसी के भेदने पर अस्पताल में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए अलग समिति का गठन किया गया है। यह समिति न केवल नियमित सफाई को निगरानी करेगी, बल्कि अस्पताल परिसर में चूहों की समस्या पर भी नजर रखेगी। अधिकारियों का कहना है कि अब सफाई का काम नियमित शिफ्टों में होगा और प्रशासन इसकी सीधी निगरानी करेगा। बोएएससी प्रशासन का दावा है कि अस्पताल का कामकाज अब धीरे-धीरे अपनी पुरानी स्थिति में लौट रहा है। नई व्यवस्था के लागू होने से मरीजों और उनके परिजनों को राहत मिलेगी। आपकी काया है कि कूपर अस्पताल मुंबई के प्रमुख सरकारी अस्पतालों में से एक है जहाँ हर दिन हजारों मरीज इलाज के लिए आते हैं। ऐसे में अस्पताल प्रबंधन को इस नई पहल से मरीजों की परेशानियों अब कमी कम होने की उम्मीद है।

'लाडली बहन' योजना में बड़ा घोटाला? 26 लाख से ज्यादा महिलाओं का होगा सत्यापन

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र में 'लाडली बहन' योजना में हुए बड़े घोटाले पर अनिश्चितताओं के बाद, राज्य सरकार ने 26.30 लाख महिला लाभार्थियों का घर-घर जाकर सत्यापन अभियान शुरू किया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उन महिलाओं की पहचान करना है जो अपात्र होने के बावजूद योजना का लाभ उठा रही हैं। इस सत्यापन की जिम्मेदारी राज्य भर की अंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सौंपी गई है। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किए गए प्रारंभिक विश्लेषण में कई अनिश्चितताएँ पाए जाने के बाद यह ब्यापक सत्यापन अभियान शुरू किया गया है। यह पता चला है कि एक ही परिवार की दो से ज्यादा महिलाओं ने योजना के तहत पंजीकरण कराया है, आयु सीमा का उल्लंघन किया गया है और कुछ मामलों में पुरुषों ने भी गलत तरीके से लाभ लिया है। हालांकि इस सत्यापन अभियान में अंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

खासकर शहरी इलाकों में, सरकार से प्राप्त सूची में केवल शहर और बिजुले का नाम है, पूरा पता नहीं। इससे असली लाभार्थियों का पता लगाना बहुत मुश्किल हो गया है। कई पतों पर मकान मालिक नहीं मिल रहे हैं या पते गलत हैं। इससे सत्यापन

कर्मचारियों का काफी समय और पैसा बर्बाद हो रहा है और डेढ़ पैमाने से ज्यादा समय बोनट जाने के बाद भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, यह सत्यापन कई महत्वपूर्ण मानदंडों पर आधारित है। इसमें लाभार्थियों की आयु, परिवार में लाभार्थियों की कुल संख्या, वार्षिक आय और परिवार के पास घर पहिया वाहन है या नहीं, इसका सत्यापन किया जा रहा है। 'माड्री लडकी बहन' योजना के तहत, एक परिवार की केवल 2 महिलाओं को ही लाभ मिल सकता है। इसके लिए उनकी आयु 21 से 65 वर्ष के बीच होनी चाहिए और परिवार की वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से कम होनी चाहिए। सत्यापन दल प्रत्येक घर जाकर परिवार के बारे में पूरी जानकारी एकत्र कर रहे हैं। इसमें वैवाहिक स्थिति, रोजगार विवरण और परिवार के सदस्यों की संख्या के बारे में प्रश्न पूछे जा रहे हैं। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि परिवार के पास घर पहिया वाहन है या नहीं, परिवार में दो से ज्यादा महिलाओं को लाभ तो नहीं मिल रहा, परिवार की आय सीमा से ज्यादा तो नहीं और लाभार्थी महिला सरकारी कर्मचारी तो नहीं हैं। इस सत्यापन से अब तक कई अनिश्चितताएँ सामने आई हैं।

22 सितंबर से चलेगी गेटवे से जेएनपीए 'ई-वाटर टैक्सी'

मुंबई (नि.स.)। मुंबई जैसे भीड़भाड़ वाले शहर में यातायात की समस्या नागरिकों के लिए हमेशा सिरदर्द बनी रहती है। खासकर गेटवे से जेएनपीए तक के मार्ग पर बड़ी संख्या में यात्रों और कर्मचारियों का कठोर है। मगर अब मुंबईवासियों का ऐतबार खत्म हुआ और 22 सितंबर के बाद समुद्री यात्रा करने वालों के लिए गेटवे से जेएनपीए जलमार्ग पर ई-वाटर टैक्सी सेवा शुरू हो जाएगी। इस सेवा से यात्रियों और जेएनपीए कर्मचारियों का

सौंपा गया और कुछ तकनीकी देरी के बाद अब वे नौसेना के लिए तैयार है। जेएनपीए के अध्यक्ष उमेश बाप ने इसकी आधिकारिक जानकारी दी है और कहा है कि यह सेवा मुंबईवासियों के लिए एक अर्थ युग की शुरुआत होगी।

बताया गया है कि पहले चरण में दो ई-वाटर टैक्सियों को सेवा में लाया जाएगा। इनमें से एक सौर ऊर्जा से चलने वाली और दूसरी पूरी तरह से इलेक्ट्रिक होगी। 120 यात्रियों प्रति घंटे की क्षमता वाली ये नवी यात्रा को तेज और सुविधाजनक बनाएगी। इनका अनुमानित यात्री किराया भी काफी किफायती लागू होगा। 100 रुपये होगा। इन टैक्सियों के रखरखाव और संचालन को जिम्मेदारी भारत प्रेंट ग्रुप को सौंपी गई है। फ़िलहाल जेट्टी पर चाइनिज स्टेशन लगाने का काम चल रहा है। यह काम समय पर पूरा हो जाएगा और यात्रियों को पहले दिन ही सेवा मिल जाएगी। अगले चरण में चार और हाइड्रोजन चालित नौकाओं को सेवा में लाने की तैयारी चल रही है। इससे यात्रियों की संख्या में वृद्धि होगी और प्रदूषण मुक्त यात्रा का एक नया प्रतिमान स्थापित होगा। मुंबई जैसे भीड़भाड़ वाले शहर में यातायात की समस्या नागरिकों के लिए प्रदूषण मुक्त यात्रा का एक नया प्रतिमान स्थापित होगा। मुंबई जैसे

समाधान का कहना है कि पिछले तीन हफ्तों में 850 से ज्यादा शिकायतों का समाधान किया गया है। इसके लिए तीन सदस्यीय पंचवेथी समिति बनाई गई है, जो अस्पताल के दैनिक कामकाज को निगरानी कर रही है। समिति का ध्यान दवाओं की आपूर्ति, साफ-सफाई और कर्मचारियों की उपस्थिति पर है।

दवाओं और उपकरणों की कमी दूर करने का उपाय

कूपर अस्पताल में दवाओं और उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अब तक 350 कार्य आदेश जारी किए जा चुके हैं। मनाफ का दावा है कि अब किसी भी मरीज को दवाओं के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इसके अलावा, इलाज को प्रक्रिया तेज और सुचारु हो, इसके लिए अतिरिक्त कर्मचारियों को नियुक्ति की गई है।

सफाई और चूहों की समस्या पर नियंत्रण

कुछ दिन पहले अस्पताल में भरी दो बुजुर्ग महिला मरीजों को चूहों द्वारा काटे जाने की चौंकाने वाली घटना सामने आई थी। इसी के भेदने पर अस्पताल में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए अलग समिति का गठन किया गया है। यह समिति न केवल नियमित सफाई को निगरानी करेगी, बल्कि अस्पताल परिसर में चूहों की समस्या पर भी नजर रखेगी। अधिकारियों का कहना है कि अब सफाई का काम नियमित शिफ्टों में होगा और प्रशासन इसकी सीधी निगरानी करेगा। बोएएससी प्रशासन का दावा है कि अस्पताल का कामकाज अब धीरे-धीरे अपनी पुरानी स्थिति में लौट रहा है। नई व्यवस्था के लागू होने से मरीजों और उनके परिजनों को राहत मिलेगी। आपकी काया है कि कूपर अस्पताल मुंबई के प्रमुख सरकारी अस्पतालों में से एक है जहाँ हर दिन हजारों मरीज इलाज के लिए आते हैं। ऐसे में अस्पताल प्रबंधन को इस नई पहल से मरीजों की परेशानियों अब कमी कम होने की उम्मीद है।

क्षमता वाली ये नवी यात्रा को तेज और सुविधाजनक बनाएगी। इनका अनुमानित यात्री किराया भी काफी किफायती लागू होगा। 100 रुपये होगा। इन टैक्सियों के रखरखाव और संचालन को जिम्मेदारी भारत प्रेंट ग्रुप को सौंपी गई है। फ़िलहाल जेट्टी पर चाइनिज स्टेशन लगाने का काम चल रहा है। यह काम समय पर पूरा हो जाएगा और यात्रियों को पहले दिन ही सेवा मिल जाएगी। अगले चरण में चार और हाइड्रोजन चालित नौकाओं को सेवा में लाने की तैयारी चल रही है। इससे यात्रियों की संख्या में वृद्धि होगी और प्रदूषण मुक्त यात्रा का एक नया प्रतिमान स्थापित होगा। मुंबई जैसे भीड़भाड़ वाले शहर में यातायात की समस्या नागरिकों के लिए प्रदूषण मुक्त यात्रा का एक नया प्रतिमान स्थापित होगा। मुंबई जैसे

दवाओं और उपकरणों की कमी दूर करने का उपाय

कूपर अस्पताल में दवाओं और उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अब तक 350 कार्य आदेश जारी किए जा चुके हैं। मनाफ का दावा है कि अब किसी भी मरीज को दवाओं के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इसके अलावा, इलाज को प्रक्रिया तेज और सुचारु हो, इसके लिए अतिरिक्त कर्मचारियों को नियुक्ति की गई है।

सफाई और चूहों की समस्या पर नियंत्रण

कुछ दिन पहले अस्पताल में भरी दो बुजुर्ग महिला मरीजों को चूहों द्वारा काटे जाने की चौंकाने वाली घटना सामने आई थी। इसी के भेदने पर अस्पताल में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए अलग समिति का गठन किया गया है। यह समिति न केवल नियमित सफाई को निगरानी करेगी, बल्कि अस्पताल परिसर में चूहों की समस्या पर भी नजर रखेगी। अधिकारियों का कहना है कि अब सफाई का काम नियमित शिफ्टों में होगा और प्रशासन इसकी सीधी निगरानी करेगा। बोएएससी प्रशासन का दावा है कि अस्पताल का कामकाज अब धीरे-धीरे अपनी पुरानी स्थिति में लौट रहा है। नई व्यवस्था के लागू होने से मरीजों और उनके परिजनों को राहत मिलेगी। आपकी काया है कि कूपर अस्पताल मुंबई के प्रमुख सरकारी अस्पतालों में से एक है जहाँ हर दिन हजारों मरीज इलाज के लिए आते हैं। ऐसे में अस्पताल प्रबंधन को इस नई पहल से मरीजों की परेशानियों अब कमी कम होने की उम्मीद है।

उल्हासनगर वासियों के दिलों के राजा

श्री पप्पू कालानी जी

को जन्म दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएँ

10 SEPTEMBER

श्री दिनेश लहरानी

यूटीए कैंप-5 अध्यक्ष

उल्हासनगर के विकास पुरुष व पूर्व विधायक

श्री पप्पू कालानी

जी को जन्म दिवस पर हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ

10 SEPTEMBER

श्री कमलेश निकम

प्रवक्ता, टीओके

उल्हासनगर वासियों के दिलों के राजा व पूर्व विधायक

श्री पप्पू कालानी

जी को जन्म दिवस पर हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ

10 SEPTEMBER

श्री किशोर जग्यासी

पूर्व नगरसेवक, उल्हासनगर मनाफ

उल्हासनगर वासियों के दिलों के राजा व पूर्व विधायक

श्री पप्पू कालानी

जी को जन्म दिवस पर हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ

10 SEPTEMBER

श्री पितु राजवानी

अध्यक्ष- फोरम ऑफ उल्हासनगर मैयुनिकिपैलिटी एसोसिएशन

तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, उल्हासनगर

यांचे न्यायालय, गांधी रोड, उल्हासनगर-५

दुरध्वनी क्र. : ०२५१२५३०५६८ ई-मेल : tahulhasnagar@gmail.com

१) गुलनाज फातिमा शोएब अर्जदार

रा. उल्हासनगर-५२१००१ जि. ठाणे

विरुद्ध सामनेदार

२) निबंधक, जन्म मूल्य नोंदणी विभाग, उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

तमाप जनसेवक सरदार नोटीसीव्दारे सुजीत करणयात येते आहे के वेणेप्रमाणे :

१. उपरोक्त अर्जदार गुलनाज फातिमा शोएब यांचे पती सय्यद शोएब कादिरुल इस्म यांचा मृत्यु उल्हासनगर येथे दिनांक ०७/०७/२०२२ रोजी झालेला आहे. अर्जदारकादिरुल काही अतिरिक्त कारणांमुळे तसेच अनावधानातून सरदार मृत्यूची नोंद निबंधक जन्म मूल्य नोंदणी विभाग, उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर दस्तरे करून मृत्यू दाखला प्राप्त करून घ्यावयाचा राहिला होता. अर्जदार यांना मृत्यू दाखल्याची आवश्यकता आहे.

२. उरोवी मृत्यू नोंदणी दाखला मिळणेसाठी मा. तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, उल्हासनगर यांचेकडून आदेश प्राप्त करून घ्यावयाचा असल्यामुळे सरदार कायांलायस किरकोळ अर्ज दावा क्र. ०२५/२०२५ दाखल केला आहे.

३. सरदार यांचे कायलावली थकीची कोणतीही हरकत असल्यास ही नोटीस प्रिसिड झाल्यापासून १५ दिवसांच्या आत सरदार न्यायालयात दाखल करावी बरोबर मुदतीत कोणी योग्य हरकत न दाखल केल्यास अर्जदार यांना सरदार कायांलायसतर्फे त्यांचा मृत्यू नोंदणीचा दाखला मिळणेकरीता आदेश काढण्यात येईल. आद दिनांक २५/०९/२०२५ रोजी माझे सहोदने व शिष्टाचरण दिले.

हनुमावचन

॥...॥

(कल्याणी कदम)

तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, उल्हासनगर

पत्रकारों पर हमलों के खिलाफ नवी मुंबई के पत्रकारों का जोरदार विरोध प्रदर्शन!

साईनाथ भोंदरे, सुमित नेनेसे, अर्धव रणदिवे, समीर शेख, प्रकाश शिंदे, दीपक कांबळे, फरूक सेवद, भरतकुमार कांबळे

नवी मुंबई में 'फ्रिंट', इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के पत्रकारों तथा अन्य पत्रकार संघों ने इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इस अवसर पर पत्रकारों ने कहा कि, 'पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं, उन पर हमला अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है। मुंबई और पूरे में हुई हालिया घटनाएँ अस्वीकार्य हैं, हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं और सरकार से तत्काल कार्रवाई को मांग करते हैं।' इस अवसर पर 'पत्रकारों पर हमले बंद करो' और 'पत्रकार विरोधी मानसिकता वाले प्रशासक अधिकारियों का निषेध' जैसे नारे भी लाए गए। इस दौरान प्रदर्शनकारी पत्रकारों ने सरकार को चेतावनी दी कि अगर पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कड़े कानून नहीं बनाए गए तो भविष्य में और भी बड़े प्रदर्शन होंगे। इस प्रदर्शन में पत्रकारों ने एकजुटता दिखाई दी और उम्मीद जताई गई कि स्थानीय राजनीतिक नेता भी इन मांगों को मानेंगे। इस बीच प्रदर्शन में शामिल विभिन्न पत्रकार संगठनों के सदस्यों ने कहा कि यह प्रदर्शन राज्य भर के पत्रकारों के लिए एक संदेश है और अधिकारों की लड़ाई आगे भी जारी रहेगी।

उल्हासनगर के लाडले नेता व पूर्व विधायक

श्री पप्पू कालानी जी

आपको जन्म दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

September 10

डॉ. निलेश वजिरानी

समाजसेवक, उल्हासनगर

उल्हासनगर वासियों के दिलों के राजा

श्री पप्पू कालानी

जी को जन्म दिवस पर हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ

September 10

श्री हितेश (राहुल) गुरबानी

युवा समाजसेवक, उल्हासनगर

उल्हासनगर वासियों के दिलों के राजा

श्री पप्पू कालानी

जी को जन्म दिवस पर हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ

September 10

श्री सुन्दर मुदलीयार

टीओके युवा नेता,